pendix 170, Annexure No. 137] were not promoted. In so far as selection posts are concerned all candidates who fall in the zone of consideration are considered by the Selection Committee, and a list is drawn, for as many canddates only as the number of posts. Therefore, the question of not promoting the other candidates does not arise as such.

(f) The requisite information is attached at Annexure IV. (See Appendix 1709 Annexure No. 137]

गुजरात में भूमि का मरूभूमि बनते जाना

*656. **श्रीमती आनन्दीबेन जेठाभाई पटेल** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि गुजरात का बहुत बड़ा भूभाग प्रत्येक वर्ष मरूक्षेत्र में बदल जाता है ;

(ख) यदि हां, तो प्रत्येक वर्ष अनुमानतः कुल कितना क्षेत्र, विशेष रूप से कच्छ सौराष्ट्र में, मरूक्षेत्र में बदल जाता है ।

(ग) उसके क्या प्रमुख कारण हैं ;

(घ) केन्द्रीय सरकार की उस पर क्या प्रतिक्रिया है ; और

(ङ) गुजरात में मरूभूमि के प्रसार की रोकथाम के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं ?

ग्रामीण विकास मंत्रालय (ग्रामीण विकास विभाग) में राज्य मंत्री (श्री रामेश्वर ठाकुर) : (क) पश्चिम में कच्छ के रण से पूर्व में हरियाणा में हिसार एवं महेन्द्रगढ़ तक आधारभूत सच्चाई के साथ-साथ हवाई छायाचित्रों, लैंडसैट एवं आई० आर०एस० (भारतीय दूरग्राही) चित्रों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (कजरी), जोधपुर द्वारा कराये गए एकीकृत अध्ययनों के निष्कर्षों ने स्थापित किया है कि गुजरात सहित देश में मरूभूमि के फैलाव का कोई प्रमाण नहीं है । तथापि, जब गतिविधियों जैसे सीमान्त भूमि पर खेती करना, पशुओं द्वारा अत्यधिक चराई, पेड़ों की कटाई तथा लंबे समय तक चलने वाले सूखेंतथा यदा-कदा आने वाली अभूत-पूर्व बाढ़ की वजह से कुछ क्षेत्रों में मरुस्थलीकरण की प्रक्रिया देखी गई है । दूसरी ओर मरुभूमि एक पारिस्थितिकीय प्रणाली है जो अत्यधिक तापमान, कम वर्षा, कम आद्रता, तेज हवाओं, बार-बार आने वाली आंधियों और सूख द्वारा प्रदर्शित होता है ।

(ख) और (ग) प्रश्न नहीं उठता ।

(घ) और (ङ) केन्द्रीय सरकार को मरूस्थलीकरण की समस्या की जानकारी है जो पारिस्थितिकीय प्रणाली की उत्पादकता में ह्रास के लिए जिम्मेदार रही है । मरुस्थलीकरण की प्रक्रिया को नियंत्रित करने के लिए उपयुक्त उपायों की मार्फत इन क्षेत्रों का विकास करने की आवश्यकता है। इस उद्देश्य हेतु 1977–78 में मरुभूमि विकास कार्यक्रम शुरु किया गया था और यह कार्यक्रम अब गुजरात के बनासकांठा और मेहसाना जिलों के 9 खण्डों, हरियाणा के भिवानी, हिसार, रोहतक एवं सिरसा जिलों के 26 खण्डों राजस्थान में बाड़मेर बीकानेर, चुरु, गंगानगर, जैसलमेर, जालौर, झुनझुनु, जोधपुर, नागौर, पाली तथा सीकर जिलों के 84 खण्डों के गम शुष्क क्षेत्रों में कार्यान्वित किया जा रहा है । कार्यक्रम का उद्देश्य प्राकृतिक संसाधनों जिसमें दीर्घकाल में क्षेत्र के पारिस्थितिकीय संतुलन को बहाल करना भी शामिल है, का संरक्षण करना, उनका विकास करना तथा उनको सुरक्षित रखना है ।

Securing of power projects by BHEL

*657. SHRI RAMNATH KOVIND: Will the PRIME MINISTER be pleased to state;

(a) whether it is a fact that there are 146 Power Projects totalling 66,000